नईदुनिया

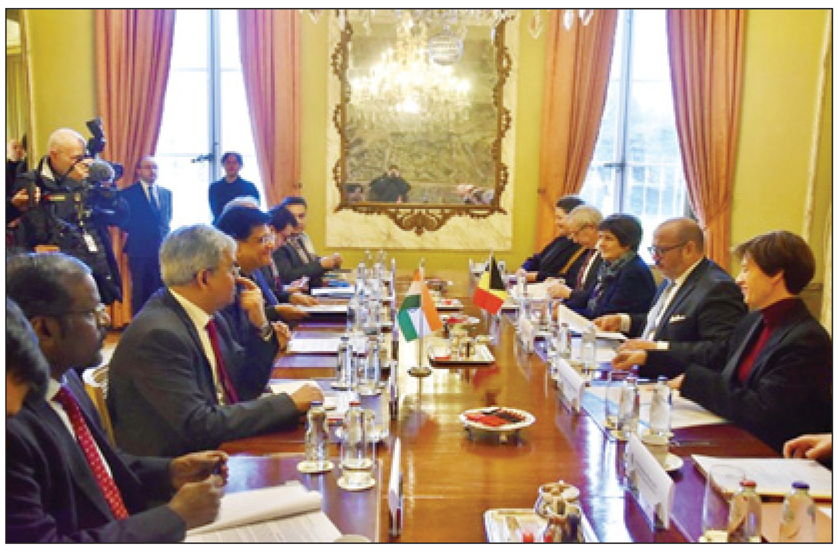

भारत, बेल्जियम ने औषधि एवं कृषि उत्पादों में व्यापार बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली

भारत और बेल्जियम ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए फार्मा और कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों में व्यापार मुद्दों को हल करने के लिए तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और बेल्जियम के विदेश एवं विदेश व्यापार मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में औषधि तथा कृषि उत्पादों के लिए अनुमोदन प्रक्रियाओं में नियामक बाधाओं पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने निरंतर बातचीत के जरिए इन चुनौतियों से निपटने पर सहमति व्यक्त की।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने इस बैठक के दौरान व्यापार मुद्दों के समाधान के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। इन नेताओं ने यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता की प्रगति पर भी चर्चा की। इसके साथ ही बातचीत को सुचारू बनाने तथा आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापार मुद्दों को प्राथमिकता देने के महत्व पर बल दिया गया। बैठक के निष्कर्ष के तौर पर भारत और बेल्जियम के बीच लोकतंत्र, कानून के शासन और स्वतंत्र न्यायपालिका के साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक संबंधों को मजबूती मिली।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और खाद्य उत्पादों जैसे उभरते क्षेत्रों को दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया गया। इसके अलावा बेल्जियम ने अपने व्यापार संबंधों में विविधता लाने के लिए भारत के साथ रणनीतिक साझेदार के रूप में जुड़ने के महत्व को स्वीकार किया।

वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि ब्रुसेल्स में बेल्जियम के विदेश मंत्री, यूरोपीय मामले, विदेश व्यापार और संघीय सांस्कृतिक संस्थानों के मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन से मिलकर बहुत खुशी हुई।

हमने भारत में आगामी बेल्जियम आर्थिक मिशन पर उपयोगी चर्चा की। इसके साथ ही टिकाऊ प्रौद्योगिकियों, अर्धचालकों, रत्न और आभूषण, स्वास्थ्य सेवा और कृषि उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपसी व्यापार और निवेश संबंधों को गहरा करने के अवसरों की खोज की।

उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-2024 में भारत और बेल्जियम व्यापार 15.07 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जबकि बेल्जियम से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 3.94 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा होने का अनुमान है।

न्यूज ब्रीफ

भारत के कामगार हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं : जयंत चौधरी

दावोस। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दावोस जाने से पहले एक बड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए भारत के कौशल विकास की महत्वपूर्णता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के कामगार नेतृत्व की भूमिका सहित हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं और यह वैश्विक मंच पर सफलता की कहानी होगी। दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच की बैठक के अवसर पर चौधरी ने कहा कि आज पूरी दुनिया देख रही है कि भारत कौशल विकास के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कामगार जहां भी काम करते हैं, वहां अपनी क्षमता साबित करते हैं और शीर्ष नेतृत्व की भूमिकाओं सहित अपना सही स्थान हासिल करते हैं। चौधरी ने उम्मीद जताई कि दावोस में भारत को और अधिक निवेश मिलेगा और जो कंपनियां अभी भारत में मौजूद नहीं हैं, वे भी वहां आएँगी। यहां अधिकारियों और कॉरपोरेट घरानों के लोगों के साथ बैठकें करने वाले संगठन उनके भारत में निवेश करने की इच्छा का समर्थन कर रहे हैं। विशवास है कि चौधरी की इन उच्चाधिकारी के बैठकों में हिस्सा लेने से भारत का कौशल विकास होगा और दुनिया भारत की योगदान की महत्वपूर्णता को समझेगी।

गो फर्स्ट एयरलाइन के खिलाफ एनसीएलटी ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने गो फर्स्ट एयरलाइन के परिसमापन की मंजूरी दे दी। यह कंपनी पिछले कुछ सालों से वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रही थी। इस निर्णय के बाद कंपनी गति से वित्तीय संकट से बाहर होगी। न्यायाधिकरण ने कहा कि कंपनी के 54 विमानों का पंजीकरण रद्द किया गया है। इसके चलते कंपनी का परिचालन ठप हो गया है। इस कदम से कर्जदाताओं को नुकसान हो सकता है। एयरलाइन ने मई 2023 में एनसीएलटी में दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। अब उन्हें सम्भावित समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। गो फर्स्ट के बंद होने से यात्री किसी अन्य विमानन सेवा का उपयोग कर सकते हैं। सुरक्षित रहने के लिए वे सही विकल्प की तलाश में निकलें। वित्तीय संकट कारगर उपायों से पूरी तरह से बाहर निकलने के लिए इस समय में कंपनी को सख्ती से अपनी योजनाएं बनानी होगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि कर्जदाताओं के हितों का भी ध्यान रखा जाए।

12 फीसदी से अधिक गिरा जोमेटो का शेयर, बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर

नइ दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी और ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयरों में तेजी से गिरावट का सिलसिला जारी है। तिमाही नतीजों के घोषणा के बाद जोंमैटो के शेयरों में 12 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट शेयर के मूल्य को 200 रुपये के स्तर पर भी नीचे ले गई है। बाजार में जोमैटो के शेयर अभी भी दबाव में हैं। बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर चल रहे हैं। इंट्रा-डे में यह 12.78 फीसदी गिरकर 210.15 रुपये तक पहुंच गए थे। पिछले कुछ दिनों से शेयर मूल्य में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट के बाद आईसीआईआई डायरेक्ट के तकनीकी चार्ट्स के मुताबिक जोमैटो के शेयर ने 227.2 के सपोर्ट लेवल को तोड़ दिया है। अब शेयर का सपोर्ट 201.1 पर संभावित है। वहीं अपसाइड में शेयर को 253.3, 266.9, और 279.4 पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। शेयर की स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए निवेशकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। जोमैटो के शेयरों की हालिया गिरावट ने निवेशकों में चिंता बढ़ा दी है। जबकि जोमैटो कंपनी के प्रतिष्ठित सीईओ ने बताया कि उनके 2000 स्टोर खोलने का लक्ष्य दिसंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। यह पहले से तय किए गए लक्ष्य से एक साल पहले हो रहा है। फिर भी फूड डिलीवरी बिजनेस की धीमी ग्रोथ ने भी जोमैटो के तिमाही नतीजों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

ट्राई प्रमुख ने स्पेक्ट्रम पर एसएटीआरसी कार्यशाला का उद्घाटन किया

दूरसंचार क्षेत्र में वृद्धि के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन महत्वपूर्ण : लाहोटी

नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में नवाचार, सार्वभौमिक कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन रणनीति महत्वपूर्ण है।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय (एपीटी) के महासचिव मसनोरी कोंडो की उपस्थिति में स्पेक्ट्रम पर दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद (एसएटीआरसी) कार्यशाला का उद्घाटन किया।

मंत्रालय के मुताबिक तीन दिवसीय कार्यशाला में एसएटीआरसी के सदस्य देशों के प्रतिनिधि, कार्य समूह के सदस्य, उद्योग विशेषज्ञ, कई सरकारी विभागों के प्रतिनिधि आदि भाग लेंगे। इस कार्यशाला का आयोजन एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय की ओर से किया गया है, जिसकी मेजबानी भारतीय दूरसंचार विनियामक गोवा के होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में कर रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे दूरसंचार परिदृश्य में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन के महत्व पर चर्चा करना है।

कार्यशाला के प्रमुख बिंदु

- स्पेक्ट्रम पर इस एसएटीआरसी कार्यशाला से प्रतिभागियों के बीच स्पेक्ट्रम प्रबंधन के प्रमुख मुद्दों के बारे में बेहतर समझ विकसित होने की उम्मीद है, जिससे एसएटीआरसी कार्य समूह के लिए कार्रवाई योग्य दिशा-निर्देश तैयार होंगे। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला का उद्देश्य सदस्य देशों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहकार्यता को बढ़ावा देना है, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावी स्पेक्ट्रम उपयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों का विकास होगा।
- कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की शुरुआत एशिया-प्रशांत दूरसंचार समुदाय के महासचिव मसनोरी कोंडो के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने इस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए एपीटी की प्रतिबद्धता पर बल दिया तथा स्पेक्ट्रम संसाधनों के कुशल प्रबंधन में क्षेत्रीय सहयोग को आवश्यक बताया।
- इसके बाद, स्पेक्ट्रम पर एसएटीआरसी कार्य समूह के अध्यक्ष अब्दुल कयूम ने नियामकों के सामने आने वाली चुनौतियों और स्पेक्ट्रम उपयोग को अनुकूलित करने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया।
- उद्घाटन भाषण के दौरान ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने आज के डिजिटल परिवेश में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दूरसंचार क्षेत्र नवाचार और सशक्तिकरण में सबसे आगे है, यह डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है और ऐसे समाधान प्रदान कर रहा है जो जीवन की बेहतरी को बढ़ाते हैं।
- रेडियो आवृत्ति स्पेक्ट्रम की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, एसएटीआरसी ने अपनी कार्य योजना के हिस्से के रूप में स्पेक्ट्रम पर एक कार्य समूह की स्थापना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्यशाला उभरती प्रौद्योगिकियों, स्पेक्ट्रम आवंटन और नीति विकास पर अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। सहकार्यता को बढ़ावा देने और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान से यह कार्यक्रम नियामक क्षमता का निर्माण करने, सीमा पार सहयोग को मजबूत करने और दूरसंचार क्षेत्र में सतत विकास का समर्थन करने में मदद करेगा।
- उद्घाटन सत्र का समापन ट्राई के सचिव अतुल कुमार चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य लोगों और प्रतिभागियों को उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। चौधरी ने जोर देते हुए कहा कि आगामी सत्रों के दौरान होने वाली चर्चाएं सहकार्यता और मिल-जुलकर कर सीखने की भावना को स्थापित करेंगी। उन्होंने ऐसे प्रतिष्ठित समूह को एक साथ लाने में प्रयासों के लिए एपीटी और ट्राई आयोजन समिति को धन्यवाद दिया और सभी को आगामी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि उनकी सामूहिक अंतर्दृष्टि देश में दूरसंचार विनियमन के भविष्य को आकार देने में अधिक सहायक होगी।
- किसी भी अन्य स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, यतिंदर अग्रोही, सलाहकार (प्रशासन/आईआर) से advadmn[at]trai[dot]gov[dot]in पर संपर्क किया जा सकता है।

पासवान ने कही भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की बात

पासवान ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के संदर्भ में दावोस पहुंचकर अपनी वकालत की

दावोस

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने अपने बयान में कहा कि भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की दिशा में कई संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के संदर्भ में दावोस पहुंचकर अपनी वकालत की।

पासवान ने अपनी बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। पासवान ने अपने बयान में देश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मजबूत बनाने के साथ-साथ किसानों की मदद करने का एक महत्वपूर्ण कार्य साबित करने की बात कही। उन्होंने इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के महत्व पर भी जोर दिया और उसका खाद्य सुरक्षा और अर्थिक स्थिति में योगदान करने की बात कही। पासवान ने स्पष्ट किया कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की मिशन को सफल बनाने में खाद्य संस्करण क्षेत्र का बड़ा योगदान होगा।

उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च संभावनाएं देखकर कहा कि भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए। उन्होंने इसके साथ ही विश्व बाजार में भारतीय व्यंजनों की मांग बढ़ने का भी उदाहरण दिया। पासवान के इस बयान से स्पष्ट है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और देश को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एमसीएक्स का मुनाफा 160 करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) का मुनाफा 160.04 करोड़ रुपये रहा। एमसीएक्स को वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 5.35 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में भारत के सबसे बड़े गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव सूचकांक की कुल आय सालाना आधार पर 209.26 करोड़ रुपये से बढ़कर 324.36 करोड़ रुपये हो गई। व्यय सालाना आधार पर 222.25 करोड़ रुपये घटकर 123.03 करोड़ रुपये हो गया।

किसी को भी लंबे घंटों तक काम करने के लिए नहीं कह सकता : नारायण मूर्ति

हमारी मेहनत का सबसे बड़ा परिणाम होना चाहिए गरीब बच्चों के भविष्य के लिए सफलता और सुधार हो

नई दिल्ली

वर्क लाइफ बैलेंस के महत्व पर चर्चा नवीनतम क्रांति की ओर बढ़ रही है। इस विवाद से उठी बहस में इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति का बयान उकसाने वाला है। उन्होंने हलके से कहा कि हफ्ते में 70 घंटे काम करने की संज्ञाना बनाने की जरूरत नहीं है। मूर्ति ने कहा कि कोई भी किसी आदमी को लंबे घंटों तक काम करने के लिए नहीं कह सकता, लेकिन हर किसी को 'इंट्रोस्पेक्ट' करना चाहिए और इसकी जरूरत को समझना चाहिए।

यह कहते हुए उन्होंने अपने 40 वर्षीय करियर का उदाहरण दिया जहां वे हर हफ्ते 70 घंटे से अधिक काम करते थे। उनका कहना था कि इंट्रोस्पेक्ट करने से हर किसी को अपनी स्थिति को समझने में मदद मिल सकती है। अगर बात इस विवाद की मूल कहानी की तो नारायण मूर्ति ने गहराई से बताया कि महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कितने घंटे काम करते हैं, बल्कि यह की हम कितने योगदान दे रहे हैं समाज में। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी मेहनत का सबसे बड़ा परिणाम होना चाहिए गरीब बच्चों के भविष्य के लिए सफलता और सुधार हो। यहां एक बड़ा सवाल उठता है कि क्या हम अपने जीवन में एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन को कैसे बनाए रख सकते हैं, जब एक उद्यमिता समाज सुधार के साथ आता है। नारायण मूर्ति के बयान से प्रेरित होकर, हमें इस विचार से गुजरना होगा कि हम कैसे अपने काम और जीवन के बीच संतुलन को बनाए रख सकते हैं।

भारत दुनिया का इंजीनियर बनने जा रहा है : अर्जेंटीना

भारत भविष्य में एलएनजी जैसे क्षेत्र में भूमिका बढ़ाने के लिए हो सकता है महत्वपूर्ण उपभोक्ता

नई दिल्ली

अर्जेंटीना की तेल और गैस कंपनी वायपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि और बड़ी आबादी के कारण विश्व के अगले दशक में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नेतृत्व करने की संभावना जताई है। उन्होंने एक बातचीत के दौरान भारत की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा किया। उन्होंने बताया कि भारत भविष्य में एलएनजी जैसे क्षेत्र में भूमिका बढ़ाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपभोक्ता हो सकता है और अर्जेंटीना भारत के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ता बन सकता है। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच लिथियम के क्षेत्र में भी सहयोग के अवसरों की बात की गई है। लिथियम भारत के इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। इस मुद्दे पर भारत के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने भी महत्वपूर्ण चर्चा की और दोनों देशों के बीच मित्रता और आर्थिक संबंधों की महत्वपूर्णता पर जोर डाला। उन्होंने बताया कि भारत और अर्जेंटीना के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हो रहे हैं और उन्होंने पिछले साल अपने संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। भारत और अर्जेंटीना के बीच लिथियम खनन और अन्वेषण के क्षेत्र में समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो दोनों देशों के लिए आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारी का कहना है कि भारत की वृद्धि दर बहुत मजबूत है और इसके विशाल आबादी के कारण देश इंजीनियरिंग के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करेगा। अर्जेंटीना और भारत के बीच सहयोग के क्षेत्रों में बढ़ती मित्रता और व्यापारिक संबंधों से उम्मीद की जा रही है और आने वाले समय में इन संबंधों में और भी गति आने की संभावना है।

देश की जीडीपी 7 से 8 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि की संभावना है, बताते हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्यूईएफ) ने उजागर किया है कि भारत की जीडीपी 7 से 8 फीसदी तक बढ़ सकती है। उन्होंने इसे आर्थिक सुधारों और हायर इन्वेस्टमेंट के चलते संभावना बताया है। डब्यूईएफ ने कहा कि भारत में विकास के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं और इस साल की 6 फीसदी ग्रोथ दर भी अच्छी है, लेकिन इससे भारत की गति को रोकने कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, और रिसर्च और डेवलपमेंट में निवेश जारी रहना चाहिए। डब्यूईएफ ने भविष्य में भारत की अर्थव्यवस्था में भी 20 फीसदी हिस्सेदारी की संभावना दी। उन्होंने कहा कि भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम से सपोर्ट मिल रहा है और यहां 1,20,000 से अधिक स्टार्टअप हैं। उन्होंने उत्सुकता से बताया कि भारत में 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत का लक्ष्य वास्तविक है कि वह 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन सकता है, डब्यूईएफ के एक अधिकारी ने कहा कि भारत जल्द ही 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। वह डिजिटल ट्रेड और सर्विसेज में भी हिस्सेदारी बढ़ रही है और यह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। अंत में वर्कफोर्स के ज्यादा डिजिटलीकरण के साथ-साथ आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर उन्हें पूछा गया था। उन्होंने कहा कि यह प्रोडक्टिविटी में बढ़ोतरी लाता है और भारत के लिए नई टेक्नोलॉजी में बहुत सारे अवसर हैं। लेकिन ये छोटी अवधि में भी कुछ चुनौतियां उत्पन्न कर सकती हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज लगातार दूसरे दिन पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। मार्टिन लूथर किंग जूनियर डे होने के कारण सोमवार को अमेरिकी बाजार में कारोबार नहीं हुआ था। हालांकि आज डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार पॉजिटिव माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,520.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत उछल कर 7,733.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,990.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। अभी तक के कारोबार में स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,789.83 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ दिख रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,370.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,927.35 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 228.29 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,154.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.03 प्रतिशत उछल कर 1354.27 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,320.95 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,524.19 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,186.78 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,249.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

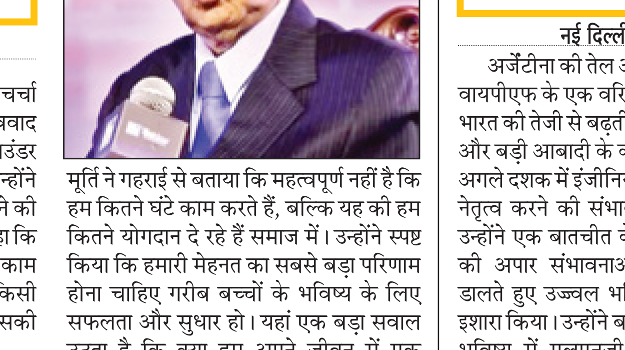

गूगल के सर्च इंजन की बाजार हिस्सेदारी में आई गिरावट

साल 2024 की आखिरी तिमाही में गूगल की सर्च इंजन बाजार हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से नीचे गिरकर 89.74 प्रतिशत पर पहुंच गई। सर्च इंजन बाजार में वर्षों से बादशाहत कायम रखने वाले गूगल को अब कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट गूगल के लिए बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि इससे पहले 2015 में गूगल की हिस्सेदारी इतनी कम दर्ज की गई थी। गूगल की घटती हिस्सेदारी का सबसे बड़ा फायदा माइक्रोसाफट बिंग को हो रहा है। 2024 के दौरान बिंग ने अपनी बाजार हिस्सेदारी 4प्रतिशततक बढ़ा ली, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है। बिंग की इस सफलता का मुख्य कारण उसकी उन्नत एआई तकनीक और चैटजीपीटी जैसे स्मार्ट टूल्स हैं, जो उपयोगकर्ताओं को अधिक व्यक्तिगत और सटीक परिणाम प्रदान कर रहे हैं। गूगल की पारंपरिक सर्च प्रणाली के मुकाबले, बिंग और अन्य एआई आधारित सर्च इंजन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। एआई तकनीक पर आधारित सर्च इंजन, जैसे चैटजीपीटी और परप्लेसिटी, भी गूगल के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। ये सर्च इंजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके उपयोगकर्ताओं को तेज और सटीक उत्तर देने में सक्षम हैं। हालांकि, एक रिपोर्ट में इन एआई सर्च इंजनों की हिस्सेदारी का विश्लेषण नहीं किया गया, लेकिन यह साफ है कि एआई की बढ़ती स्वीकार्यता गूगल के लिए खतरा है।